सिद्धेश्वर दास

संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कारः
मयूरभंज छऊ

ओडिशा के मयूरभंज जिले के बारीपदा में 9 मार्च 1928 को जन्मे, श्री सिद्धेश्वर दास ने रघुनंदन कुंअरबाबू और श्यामसुंदर दास के संरक्षण में मयूरभंज छऊ का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपका संबंध मयूरभंज छऊ के उत्तरशाही घराने से है। आप मयूरभंज स्थित उत्तरशाही छऊनृत्य प्रतिष्ठान से जुड़े रहे हैं।

आपने छऊ नृत्य की प्रस्तुतियाँ देना सन 1942 में प्रारम्भ किया था। आपने अपनी पहली प्रस्तुति मयूरभंज पैलेस में दी थी। आपने न केवल पुरुष बल्कि स्त्री चरित्रों का भी निर्वाह किया है। 'कैलाश लीला' में जया, 'तमुडिया कृष्ण' में सखी और 'गरुड़ वाहन' में पद्मा का किरदार आपने निभाया था। आप भारत के कई प्रतिष्ठित नृत्य समारोहों में मयूरभंज छऊ की प्रस्तुति दे चुके हैं।

ओडिशा के मयूरभंज छऊ नृत्य में योगदान के लिए श्री सिद्धेश्वर दास को संगीत नाटक अकादेमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

SIDHESWAR DAS

Sangeet Natak Akademi Amrit Award:
Chhau

Born on 9 March 1928 in Baripada in Mayurbhanj district of Odisha, Shri Sidheswar Das has trained in the Uttarshahi Gharana of Mayurbhanj Chhau under the tutelage of Raghunandan Kuanrbabu and Shyamsundar Das. He has been associated with the Uttarshahi Chhaunrutya Pratishthan in Mayurbhanj.

He started performing in 1942 and has performed in the Mayurbhanj Palace. He has essayed several female roles such as Jaya in dance items like 'Kailash leela', Sakhi in 'Tamudia Krushna' and Padma in 'Garuda Vahan'. He has also given demonstrations of Mayurbhanj Chhau in several prestigious dance festivals in India.

Shri Sidheswar Das receives the Sangeet Natak Akademi Amrit Award for his contribution to the Chhau dance of Mayurbhanj.